Je main Shyam nu yaar banaya Lyrics

Je main Shyam nu yaar banaya Lyrics in Punjabi

ਯੁਨ- ਲੈ ਰੇ ਯਹਿਲਾ ਯਹਿਲਾ ਥਿਆਰ
ਲੋਕੀਂ, ਸੌ ਸੌ ਯਾਰ ਬਣਾਏ, ਕਿਸੇ ਉਫ਼ ਨਾ ਕੀਤੀ ਹਾਏ,
ਜੇ ਮੈਂ, ਸ਼ਾਮ ਨੂੰ ਯਾਰ ਬਣਾਇਆ, ਤੇ ਰੌਲਾ ਪੈ ਗਿਆ ll

ਸੂਲੀ ਉੱਤੇ, ਚੜ੍ਹ ਜਾਣਾ, ਆਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਸ਼ਾਨ ਏ,
ਸਾਂਵਰੇ ਤੋਂ, ਕਰ ਦੇਂਦੇ, "ਜਿੰਦ ਕੁਰਬਾਨ ਏ" ll
ਕੋਈ, ਗਲੇ 'ਚ ਲੌਕਟ ਪਾਵੇ,
ਕੋਈ, ਹੁੱਥੇ ਨਾਂਅ ਲਿਖਵਾਵੇ l
ਜੇ ਮੈਂ, ਤਿਲਕ ਲਗਾਇਆ, ਤੇ ਰੌਲਾ ਪੈ ਗਿਆ,
ਲੋਕੀਂ, ਸੌ ਸੌ ਯਾਰ ਬਣਾਏ..

ਦਿਲ ਤੇ ਨਾ, ਵੱਸ ਸਾਡਾ, ਹੋਈਆਂ ਅੱਖਾਂ ਚਾਰ ਏ,
ਹੋਇਆ ਕੀ, ਜ਼ੁਲਮ ਸਾਥੋਂ, "ਕੀਤਾ ਅਸੀਂ ਪਿਆਰ ਏ" ll
ਮੀਰਾਂ, ਸ਼ਾਮ ਦੀਵਾਨੀ ਹੋਈ,
ਭੀਲਣੀ, ਰਾਮ ਨਾਮ ਵਿੱਚ ਖੋਈ l
ਜੇ ਮੈਂ, ਨੱਚ ਕੇ ਸ਼ਾਮ ਮਨਾਇਆ, ਤੇ ਰੌਲਾ ਪੈ ਗਿਆ,
ਲੋਕੀਂ, ਸੌ ਸੌ ਯਾਰ ਬਣਾਏ..

ਅਸੀਂ ਜਦੋਂ, ਕਿਸੇ ਤੇ ਨਹੀਂ, ਕੀਤਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਏ,
ਹੁਣ ਬੰਦਾ, ਸਾਡੇ ਕੋਲੋਂ, "ਫਿਰ ਕਿਉਂ ਨਾਰਾਜ਼ ਏ" ll
ਲੋਕੀਂ, ਗੱਲ ਨੂੰ ਵਧਾਵੇ, ਅੱਗ, ਘਰ ਘਰ ਲਾਵੇ l
ਜੇ ਮੈਂ, ਭੇਦ ਲੁਕਾਇਆ, ਤੇ ਰੌਲਾ ਪੈ ਗਿਆ,
ਲੋਕੀਂ, ਸੌ ਸੌ ਯਾਰ ਬਣਾਏ..

Je main Shyam nu yaar banaya Lyrics in Hindi

लोगों ने, सौ-सौ यार बनाए, किसी ने उफ़ ना की हाए,
जे मैंने, श्याम को यार बनाया, ते रौला पए गया ll

सूली उत्ते, चढ़ जाना, आशिकों दी शान है,
साँवरे नू, कर देइंदे, "जिंद कुर्बान है" ll
कोई, गले 'च लॉकिट पावै,
कोई, हथेली ते नाम लिखवावै l
जे मैंने, तिलक लगाया, ते रौला पए गया,
लोगों ने, सौ-सौ यार बनाए..

दिल ते ना, वस साडा, होइयां अखां चार ने,
होगया की, ज़ुल्म साडे नाल, "कीता असीं प्यार है" ll
मीरा, श्याम दी दीवानी हो गई,
भीलनी, राम नाम विच खो गई l
जे मैंने, नाच के श्याम मनाया, ते रौला पए गया,
लोगों ने, सौ-सौ यार बनाए..

असीं जदों, किसे उत्ते नहीं, कीता एतराज़ है,

हर बंदा, साडे कोलों, “फिर क्यों नाराज़ है” ll
लोगों ने, गल नूं वधाया, अग्ग, घर घर लाया l
जे मैंने, भेद लुकाया, ते रौला पए गया,
लोगों ने, सौ-सौ यार बनाए..

Je main Shyam nu yaar banaya Lyrics in English

Logon ne, sau-sau yaar banaye, kisi ne uff na ki haaye,
Je mainne, Shyam ko yaar banaya, te raula pae gaya ll

Sooli utte, chadh jana, aashikon di shaan hai,
Saavre nu, kar dende, “jind kurbaan hai” ll
Koi, gale ‘ch locket paave,
Koi, hathili te naam likhvave l
Je mainne, tilak lagaya, te raula pae gaya,
Logon ne, sau-sau yaar banaye..

Dil te na, vas saada, hoyiyaan akhaan chaar ne,
Hogaya ki, zulm saade naal, “keeta asin pyaar hai” ll
Meera, Shyam di deewani ho gayi,
Bhili, Ram naam vich kho gayi l
Je mainne, naach ke Shyam manaya, te raula pae gaya,
Logon ne, sau-sau yaar banaye..

Asi jadon, kise utte nahi, kita etraaz hai,
Har banda, saade kolon, “phir kyon naaraaz hai” ll
Logon ne, gal nu vadhaya, agg, ghar ghar layaa l
Je mainne, bhed chhupaya, te raula pae gaya,
Logon ne, sau-sau yaar banaye..

About Je main Shyam nu yaar banaya Bhajan in English

“**Je Main Shyam Nu Yaar Banaya**” is a devotional bhajan that speaks about the deep and eternal bond between the devotee and **Lord Shyam** (another name for Lord Krishna). The bhajan explores the intense love and devotion that the devotee has for Krishna, highlighting how this relationship transcends ordinary human friendships and materialistic attachments. It emphasizes the unique status of Krishna as a beloved friend (Yaar) and the sacrifices and devotion that come with such a profound connection.

- **The Uniqueness of Krishna as a Friend:** The bhajan opens with the words “Logon ne, sau-sau yaar banaye, kisi ne uff na ki haaye, je main Shyam nu yaar banaya, te roula paya gaya” (People made hundreds of friends, no one complained, but when I made Shyam my friend, the world became jealous). This expresses the idea that while people form many relationships, making Krishna one’s closest friend is a different, often misunderstood, and intense bond. The devotion to Krishna is so deep that it draws both admiration and envy from others.
- **The Sacrifices in Love for Krishna:** The bhajan touches on the sacrifices that true lovers or devotees make for Krishna. “Sooli utte, chadh jana, aashiko di shaam hai” (To climb the cross is the pride of lovers), highlighting the dedication and willingness to endure hardships for the love of Krishna. The devotee is ready to surrender everything for Krishna, even if it means facing difficulties or being misunderstood by the world.

- **Personal Devotion and Expression:** The bhajan also speaks about the different forms of personal devotion that people express for Krishna. “Koi, gale ch locket paave, koi, hatheli te naam likhvaave” (Some wear a locket, some write Krishna’s name on their palm). The diversity in expressions of love reflects the many ways in which individuals dedicate themselves to Krishna, each following their own unique path but all unified in devotion.
- **The Devotion of Great Saints:** The bhajan mentions **Meera** and **Bhilni**, both of whom were known for their intense devotion to Krishna. “Meera, Shyam di deewani ho gayi, Bhilni, Ram naam vich kho gayi” (Meera became madly in love with Shyam, Bhilni lost herself in the name of Ram). These references showcase how saints, through their complete surrender, experienced the profound spiritual connection with Krishna, even if it meant defying societal norms.
- **The Challenges of Devotion:** The bhajan also touches upon the challenges devotees face in their relationship with Krishna, such as misunderstanding from society. “Asin jado kise utte nahi, kita etraaz hai, har banda, saade kolon, ‘phir kyon naaraaz hai'” (When we don’t hold grudges against anyone, why is everyone angry with us?). This line emphasizes the pure and selfless nature of devotion to Krishna, which sometimes leads to conflicts or misunderstandings with the outside world.
- **Secrecy of Devotion:** The final lines of the bhajan talk about how true devotion to Krishna is often kept secret and misunderstood by others. “Logon ne, gal nu vadhaya, agga, ghar ghar laya, je main bhayad lukaya, te roula paya gaya” (People spread gossip, brought it to every house, when I kept my devotion hidden, the world became jealous). The devotee reveals how their deep love for Krishna is sometimes hidden from the world because of societal judgment or misunderstanding, but Krishna’s love remains a private treasure.

Overall, **“Je Main Shyam Nu Yaar Banaya”** is a bhajan that celebrates the intense, personal relationship between the devotee and **Lord Krishna**. It emphasizes the sacrifices, the misunderstandings, and the deep love that comes with making Krishna one’s closest friend. The bhajan beautifully portrays how devotion to Krishna transcends societal norms, and how this relationship, although challenging at times, brings immense spiritual fulfillment and joy to the devotee.

About Je main Shyam nu yaar banaya Bhajan in Hindi

“जे मैंने श्याम nu यार बनाया” भजन के बारे में

“**जे मैंने श्याम nu यार बनाया**” एक अत्यंत भावपूर्ण और भक्ति से भरा भजन है जो **भगवान श्री कृष्ण** के साथ भक्त के गहरे और अटूट रिश्ते को प्रस्तुत करता है। यह भजन भगवान श्री कृष्ण को अपना सबसे प्यारा मित्र (यार) मानने और उनके प्रति असीम श्रद्धा और समर्पण को व्यक्त करता है। भजन में यह बताया गया है कि जब कोई कृष्ण को अपना सच्चा मित्र मानता है, तो उसे दुनिया की हर चीज़ से परे एक दिव्य प्रेम और आशीर्वाद प्राप्त होता है।

- **कृष्ण के साथ दोस्ती का महत्व :** भजन की शुरुआत में भक्त यह व्यक्त करता है कि लोगों ने अपने जीवन में बहुत से दोस्त बनाए हैं, लेकिन जब उन्होंने **श्याम** (कृष्ण) को अपना यार (मित्र) बनाया, तब पूरी दुनिया में हलचल मच गई। “लोगों ने, सौ-सौ यार बनाए, किसी ने उफ़ ना की हाए, जे मैंने, श्याम को यार बनाया, ते रौला पए गया” (लोगों ने सैकड़ों दोस्त बनाए, लेकिन जब मैंने श्याम को अपना दोस्त बनाया, तो सभी ने मुझसे जलना शुरू कर दिया)। इसका मतलब है कि कृष्ण के साथ इस गहरे संबंध को पाकर, भक्त को अपने जीवन में प्रेम और शांति की प्राप्ति होती है, लेकिन समाज इसे समझ नहीं पाता और आलोचना करता है।
- **कृष्ण के लिए समर्पण :** भजन में भक्त यह भी व्यक्त करता है कि जब कोई कृष्ण से सच्चा प्रेम करता है, तो वह अपने प्राणों की भी बलि देने के लिए तैयार हो जाता है। “सूली उत्ते, चढ़ जाना, आशिकों दी शान है, साँवरे नू, कर देइंदे, ‘जिंद

कुर्बान है'" (अपने प्राणों की बलि चढ़ाना प्रेमियों का आदर्श है, कृष्ण के लिए अपनी जान कुर्बान कर देना सम्मान की बात है)। यह भक्त की कृष्ण के प्रति गहरी श्रद्धा और समर्पण को दर्शाता है, जिसमें वह भगवान के लिए किसी भी प्रकार की बलि देने को तैयार रहता है।

- **प्रेम और भक्ति का आह्वान :** भजन में भक्त कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति और प्रेम को खुले तौर पर व्यक्त करता है। "कोई, गले 'च लॉकेट पावै, कोई, हथेली ते नाम लिखवावै" (कुछ लोग कृष्ण का नाम अपनी गर्दन में लocket के रूप में पहनते हैं, कुछ लोग अपने हाथों पर उनका नाम लिखवाते हैं)। यह दिखाता है कि कृष्ण के भक्त अपनी भक्ति को विभिन्न तरीकों से व्यक्त करते हैं, और हर तरीका उनके प्रेम का प्रतीक है।
- **भक्तों का समर्पण :** भजन में **मीरा** और **भीलनी** जैसे भक्तों का भी जिक्र है, जिन्होंने अपने जीवन को पूरी तरह से कृष्ण के प्रेम में समर्पित कर दिया। "मीरा, श्याम दी दीवानी हो गई, भीलनी, राम नाम विच खो गई" (मीरा श्याम के प्रति दीवानी हो गई, और भीलनी राम के नाम में खो गई)। यह पंक्तियाँ यह बताती हैं कि कृष्ण के प्रेम में खो जाने से भक्त अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य को पहचानते हैं और ईश्वर के प्रति अपनी पूर्ण श्रद्धा और प्रेम व्यक्त करते हैं।
- **कृष्ण का मार्गदर्शन :** भजन में कृष्ण के **सारथी** रूप का भी उल्लेख किया गया है, जब उन्होंने **अर्जुन** को युद्ध के मैदान में सही मार्गदर्शन दिया। "रथ नु चलान वाला रथबान सी, सानु भी तां चाहिए ऐसा भगवान सी" (कृष्ण ने अर्जुन को रथ चलाने में मार्गदर्शन किया, हमें भी ऐसे भगवान की आवश्यकता है)। यह पंक्ति भगवान कृष्ण के मार्गदर्शन और उनकी भूमिका को दर्शाती है, जो अपने भक्तों को जीवन के हर पहलु में सही रास्ता दिखाते हैं।

कुल मिलाकर, **"जे मैंने श्याम nu यार बनाया"** भजन कृष्ण के प्रति एक अटूट, सच्चे और दिव्य प्रेम को दर्शाता है। यह भजन भक्तों को कृष्ण के साथ एक आत्मीय संबंध बनाने और उनसे सच्चे प्रेम में समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। कृष्ण का यार बनना न केवल एक आत्मिक और दिव्य अनुभव है, बल्कि यह जीवन में शांति, आशीर्वाद और दिव्यता का मार्ग भी है।